CPL–03

December – Examination 2021

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र

Paper : CPL-03

प्राकृत व्याकरण एवं रचना

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) नाट्यशास्त्र में कितनी प्राकृत भाषाओं का उल्लेख हुआ है ?

(ii) सिद्हेमशब्दानुशासन में कुल कितने अध्याय हैं ?

(iii) प्राकृत में पुरुष के लिए कौनसा शब्द प्रयुक्त होता है ?

निम्नलिखित वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए (iv से vi) :

(iv) वे चार कर्मों को नष्ट करते हैं।

(v) बारह ऊँट बैठते हैं।

(vi) बाईस राक्षस मरेंगे।

(vii) 'सयम्भू' शब्द का द्वितीय विभक्ति बहुवचन का रूप लिखिए।

(viii) 'वोतः' का सन्धि-विच्छेद कर सन्धि का नाम लिखिए।

(ix) 'गोपा' शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन का रूप लिखिए।

(x) असमान स्वर सन्धि क्या है ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. चण्डकृत प्राकृत लक्षण ग्रन्थ की समीक्षा कीजिए।

3. प्राकृत में 'देव' शब्द अकारान्त पुल्लिंग के समस्त रूप लिखिए।

4. प्राकृत में अत्ताण (आत्मा) शब्द के समस्त रूप लिखिए।

5. प्राकृत व्याकरण में सूत्र विश्लेषण के पाँच सोपानों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. 'ईतः सेश्चा वा' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. 'द्वितीयस्य सि से' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. प्राकृत व्याकरण में अनुस्वार आगम एवं अनुस्वार लोप को स्पष्ट कीजिए।

9. प्राकृत भाषा में बहुव्रीहि समास को समझाइए।